

राजस्थान सरकार
ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग
(अनुभाग-3, नरेगा)

क्रमांक एफ 4(16)ग्रावि/नरेगा/मेट-11/09-10

जयपुर, दिनांक:

जिला कलेक्टर एवं जिला कार्यक्रम समन्वयक,
राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी स्कीम,
समस्त, राजस्थान।

12 NOV 2009

विषय: राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजनान्तर्गत विकलांगों को कार्य पर नियोजन के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयान्तर्गत राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी स्कीम, राजस्थान के राज पत्र विशेषांक 24.07.06 के बिन्दु संख्या 16(9) अवलोकन करे, जिसमें "शारिरीक रूप से विकलांग व्यक्ति द्वारा रोजगार हेतु आवेदन करने पर उसकी योग्यता एवं क्षमता के अनुसार कार्य देना होगा" उल्लेखित है। इसी के साथ विभाग के आदेश 15.06.09 के बिन्दु संख्या 3 (2) में मेट के चयन में विकलांग को प्राथमिकता तथा बिन्दु संख्या 7.3.2 में विकलांग महिलाओं को क्रेच की जिम्मेदारी देने एवं 7.3.3 में श्रमिकों को पानी पिलाने के लिए नियोजन हेतु प्राथमिकता दिये जाने के निर्देश है।

संयुक्त सचिव, ग्रामीण विकास मंत्रालय ने Ashagram Trust in collaboration with Poorest Area Civil Society द्वारा मध्यप्रदेश राज्य के बडवानी जिले में विकलांगों के अध्ययन कर रिपोर्ट प्रेषित की है। जिसमें विकलांग व्यक्तियों द्वारा किये जाने वाले कार्यों का वर्गीकरण है। राज्य के भीलवाड़ा जिले में सामाजिक अंकेक्षण के दौरान भी यह अवगत हुआ है कि विकलांग व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुसार कार्य करना चाहता है। वह किसी प्रकार की रियायत न चाहकर अपने आत्म सम्मान के साथ जीना चाहता है।

इस संबंध में विकलांग व्यक्ति योजनान्तर्गत अपनी क्षमता के अनुसार क्या क्या कार्य कर सकता है उसकी सूची संलग्न कर भिजवाई जा रही है। अतः राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी स्कीम राजस्थान के प्रावधान एवं समय समय पर उपरोक्त निर्देशों के अनुसार इन विकलांग व्यक्तियों को उनकी क्षमता के अनुसार कार्य पर नियोजन किया जावे।

संलग्न:- उपरोक्तानुसार।

भवदीय,
(राजेन्द्र भाणावत)
आयुक्त, ईजीएस

फरवरी माह में बैठक में सभी कार्यकर्ताओं से इस योजना में विकलांग व्यक्तियों की भागीदारी को लेकर चर्चा की गई जिसमें बताया गया कि सभी अपनी पंचायतों के सरपंच/सचिव को बताये की विकलांग व्यक्तियों के भी कार्ड बनाये व अपने गाँव के सभी विकलांग व्यक्तियों से मिलकर उन्हें भी बताये की वह अपना जॉब कार्ड बनवाने के लिये पंचायत में जाकर पंजीयन करवाये।

08/02/06 - मंत्रालय द्वारा मांगी गयी विकलांग व्यक्तियों द्वारा क्षमतानुसार किये जाने वाले कार्यों की सूची :-

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री नरेन्द्रसिंह तोमर को दिये गये पत्र के प्रत्युत्तर में ग्रामीण विकास मंत्रालय म.प्र. शासन के सह सचिव श्री योगेन्द्र शर्मा ने संस्था के सी. बी. आर प्रोजेक्ट डायरेक्टर श्री बिजय स्वाई से दूरभाष पर चर्चा की। श्री शर्मा ने पूछा की इस योजना में किये जाने वाले जो कार्य हैं उन कार्यों में विकलांग व्यक्ति क्या और किस प्रकार के कार्य कर सकते हैं? यदि इन कार्यों का वर्गीकरण मिल जाये तो इस योजना में विकलांग व्यक्तियों की भागीदारी सुनिश्चित हो सकती है और मंत्रालय भी सहयोग करेगा।

10/02/06 - जिला पंचायत बड़वानी में श्री तिवारी जी से चर्चा :-

जिला पंचायत बड़वानी में रोजगार गारंटी कानून के संबंध में चर्चा करते हुए पूछा गया कि इस योजना में विकलांग व्यक्तियों के लिये कुछ अलग से निर्देश है या नहीं? इस पर श्री तिवारी जी ने बताया कि इस योजना में एक परिवार 100 दिन का कार्य कर सकता है यदि परिवार से कोई विकलांग व्यक्ति भी आता है तो कार्य देगे, लेकिन गाईडलाइन में ऐसा कुछ बताया नहीं गया जिसमें विकलांग व्यक्तियों के लिये कुछ विशेष निर्देश तिवारी जी से पूछा गया कि आप विकलांग व्यक्तियों को किस प्रकार का कार्य देंगे, इस पर तिवारी जी ने कहा कि हमारे पास जो गाईड लाईन है उसमें ऐसा कुछ विशेष नहीं है जिसमें विकलांग व्यक्तियों के कार्य बताया गया हो। जो भी कार्य योजना के अन्तर्गत होंगे उसी में कार्य देगे। हम कोशिश करेंगे कि उन्हें क्षमतानुसार ही कार्य दें।

ट्रस्ट द्वारा किया गया विकलांग व्यक्तियों द्वारा किये जाने वाले कार्यों वर्गीकरण पंचायत द्वारा लाई गयी गाईडलाइन व रोजगार गारंटी कानून को पढ़ने के बाद सी. बी. आर. योजना द्वारा किये जाने वाले अकुशल कार्यों में विकलांग व्यक्ति किस प्रकार व क्या क्या कार्य कर सकते हैं 25 कार्य बताये गये जिसमें हर प्रकार के विकलांग व्यक्ति क्षमता के अनुरूप क्या कार्य कर सकते हैं वर्गीकरण किया गया। इस वर्गीकरण चार्ट को 10/02/06 को पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय को भेजा गया।

श्री विकलांग व्यक्तियों के लिए क्षमता अनुसार कार्य वर्गीकरण

जिला पंचायत बड़वानी के अन्तर्गत किये जाने वाले कार्य :-

- 1: 01/02/06 को सवर्धन सूखा रोकने, वन रोपण/वृक्षारोपण
- 2 02/02/06 सिंचाई हेतु नहरें लघु एवं मध्यम सिंचाई कार्य
- 3 03/02/06 श आवास के अन्तर्गत अ.जा./अ.ज.जा. के हितग्राही परिवारों की निजी भूमि
- 4 04/02/06 सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराना।
- 5 05/02/06 आनाओं का पुनरुद्धार करना।
- 6 06/02/06 जल जमाव क्षेत्रों में जल निकासी।
- 7 07/02/06 गाँवों में ग्रामीण सड़क सम्पर्क।
- 8 08/02/06 पर केन्द्र सरकार द्वारा अन्य कार्य जो अधिसूचित किये जावें।

अस्थिर/बाधित व्यक्तियों द्वारा किये जाने वाले कार्य

1 पीने का पानी की व्यवस्था	2 बच्चों की देखभाल में मदद।
3 वृक्षारोपण का कार्य	4 सिंचाई - नहर खुदाई का कार्य
5 मिट्टी भरना	6 मिट्टी को बाहर फेंकना/ट्राली में डालना।
7 भवन निर्माण - कांक्रीट मटेरियल बनाना	8 कांक्रीट, मटेरियल का स्थान परिवर्तन करना।
9 सीमेन्ट व ईट उठाकर पहुँचाना	10 रेत या गिट्टी को तगारियों में भरना।
11 नई सिमेंटेड दिवार पर पानी डालना	12 कुआँ गहरीकरण-कुएँ के अन्दर मिट्टी को टोकरी में डालना।
13 गल को कुएँ से बाहर खिंचाई कर निकलाने में मदद करना	14 मलबे को ट्राली में डालना
15 तालाबों के मलबे को खोदना	16 मलबे को तगारी में भरना
17 भरी हुई तगारी को ट्राली में डालना	18 ऐरेन या पत्थर लाना
19 ऐरेन या पत्थर को सही जगह पर जमाना	20 भूमि समतलीकरण का कार्य करना
21 मेढ़ बंधान करना।	22 जल संरक्षण की भूमि में खन्ति/गठ्ठा करना
23 खन्ति/गठ्ठे की मिट्टी को अलग जमाना	24 सड़क निर्माण - कच्चे रास्ते को झाड़ू से साफ करना
25 पानी डालना, गिट्ठी डालना	

अस्थिर/बाधित व्यक्तियों द्वारा किये जाने वाले कार्य :-

1. एक हाथ से कमजोर व्यक्ति द्वारा किये जाने वाले कार्य :-

<ul style="list-style-type: none"> • पीने का पानी की व्यवस्था • वृक्षारोपण का कार्य। • रेत या गिट्टी को तगारियों में भरना • कच्चे रास्ते को झाड़ू से साफ करना • मेढ़ बंधान करना। 	<ul style="list-style-type: none"> • बच्चों की देखभाल में मदद। • सीमेन्ट व ईट उठाकर पहुँचाना। • नई बनी दिवार को पानी डालना। • पानी डालना, गिट्ठी डालना।
---	---

2. दोनों हाथ से कमजोर व्यक्ति द्वारा किये जाने वाले कार्य :-

▪ बच्चों की देखभाल में मदद।

(परिवार के सदस्यों द्वारा या बच्चों द्वारा मदद की जा सकती है, या उन्हें भी काम दिया जा सकता है। जिससे विकलांग व्यक्ति का आत्मविश्वास और आत्म बल भी बढ़ेगा।)

3. एक पैर से कमजोर व्यक्ति द्वारा किये जाने वाले कार्य :-

सहारे के द्वारा कार्य	बिना सहारे के द्वारा कार्य
<ul style="list-style-type: none"> • पीने का पानी की व्यवस्था। • बच्चों की देखभाल में मदद। • वृक्षारोपण का कार्य। • पानी की तरी करना। (दिवार पर पानी डालना।) • रेत या गिट्टी को तगारियों में 	<ul style="list-style-type: none"> • पीने का पानी की व्यवस्था • बच्चों की देखभाल में मदद • वृक्षारोपण का कार्य • सिंचाई - नहर खुदाई का कार्य • मिट्टी भरना। • मिट्टी को बाहर फेंकना/ट्राली में डालना।

सहारे के द्वारा कार्य	बिना सहारे के द्वारा कार्य
भरना। • कच्चे रास्ते को झाड़ू से साफ करना।	<ul style="list-style-type: none"> • भवन निर्माण – कांक्रीट मटेरियल बनाना। • कांक्रीट, मटेरियल का स्थान परिवर्तन करना। • सीमेन्ट व ईट उठाकर पहुँचाना। • रेत या गिट्टी को तगारियों में भरना। • पानी की तरी करना। (दिवार पर पानी डालना।) • कुआँ गहरीकरण – कुएँ के अन्दर गल को टोकरी में डालना। • गल को कुएँ से बाहर खिंचाई कर निकलाने में मदद करना। • मलबे को ट्राली में डालना। • तालाबों के मलबों को खोदना। • मलबे को तगारी में भरना। • भरी हुई तगारी को ट्राली में डालना। • ऐरेन या पत्थर लाना। • ऐरेन या पत्थर को सही जगह पर जमाना। • भूमि समतलीकरण का कार्य करना। • मेढ़ बंधान करना। • जल संरक्षण की भूमि में खन्ति/गठ्ठा करना। • खन्ति/गठ्ठे की मिट्टी को अलग जमाना। • सड़क निर्माण – कच्चे रास्ते को झाड़ू से साफ करना। • पानी डालना, गिट्टी डालना।

4. दोनों पैर से कमजोर व्यक्ति द्वारा किये जाने वाले कार्य :-

- बच्चों की देखभाल में मदद।
- वृक्षारोपण का कार्य।
- रेत या गिट्टी को तगारियों में भरना।
- गल को कुएँ से बाहर खिंचाई कर निकलाने में मदद करना।

(कुएँ से मलबा बड़े डाले में भरा जाता है और दस से पन्द्रह व्यक्ति को खिंचना पड़ता है, यदि यह मलबा भरने का कार्य छोटे डाले में भरा जाये और दस पन्द्रह व्यक्तियों की जगह तीन से चार विकलांग व्यक्ति ही बैठे – बैठे ही खिंचे तो कार्य भी जल्दी होगा और अपेक्षाकृत मानव श्रम भी कम लगेगा। साथ ही विकलांग व्यक्तियों को भी कार्य मिल सकेगा।)

- कच्चे रास्ते को झाड़ू से साफ करना।

5. पैर व एक हाथ से कमजोर व्यक्ति द्वारा किये जाने वाले कार्य :-

सहारे के द्वारा कार्य	बिना सहारे के द्वारा कार्य
<ul style="list-style-type: none"> • पीने का पानी की व्यवस्था • बच्चों की देखभाल में मदद 	<ul style="list-style-type: none"> • पीने का पानी की व्यवस्था • बच्चों की देखभाल में मदद

<ul style="list-style-type: none"> • वृक्षारोपण का कार्य • रेत या गिट्टी को तगारियों में भरना • कच्चे रास्ते को झाड़ू से साफ करना • पानी डालना, गिट्टी डालना 	<ul style="list-style-type: none"> • वृक्षारोपण का कार्य • पानी की तरी करना। (दिवार पर पानी डालना) • कच्चे रास्ते को झाड़ू से साफ करना • पानी डालना, गिट्टी डालना
--	---

6. ऐसे कमजोरी जिससे पीठ पर कुबड़ ही उन व्यक्तियों द्वारा किये जाने वाले कार्य :-

- पीने का पानी की व्यवस्था।
- बच्चों की देखभाल में मदद।
- वृक्षारोपण का कार्य।
- निर्माण स्थल पर नई बनी दिवारों को पानी देना।
- कच्चे रास्ते को झाड़ू से साफ करना।
- पानी डालना, गिट्टी डालना।

दृष्टिबाधित व्यक्तियों द्वारा किये जाने योग्य कार्य

1. एक आंख से न दिखाई देना एवं दूसरी से कम दिखाई देना उन व्यक्तियों द्वारा किये जाने वाले कार्य

• पीने का पानी की व्यवस्था।	• बच्चों की देखभाल में मदद।
• वृक्षारोपण का कार्य।	• सिंचाई - नहर खुदाई का कार्य
• गिट्टी भरना।	• गिट्टी को बाहर फेंकना/ट्राली में डालना।
• भवन निर्माण - कांक्रीट मटेरियल बनाना।	• कांक्रीट, मटेरियल का स्थान परिवर्तन करना।
• सीमेन्ट व ईट उठाकर पहुँचाना।	• रेत या गिट्टी को तगारियों में भरना।
• पानी की तरी करना। (दिवार पर पानी डालना।)	• गल को कुएँ से बाहर खिंचाई कर निकलाने में मदद करना।
• मलबे को ट्राली में डालना।	• तालाबों के मलबे को खोदना।
• मलबे को तगारी में भरना।	• भरी हुई तगारी को ट्राली में डालना।
• ऐरेन या पत्थर लाना।	• ऐरेन या पत्थर को सही जगह पर जमाना।
• भूमि समतलीकरण का कार्य करना।	• मेढ बंधान करना।
• जल संरक्षण की भूमि में खन्ति/गठ्ठा करना।	• खन्ति/गठ्ठे की गिट्टी को अलग जमाना।
• सड़क निर्माण - कच्चे रास्ते को झाड़ू से साफ करना।	• पानी डालना, गिट्टी डालना।

2. दोनों आंखों से न दिखाई देने वाले व्यक्ति द्वारा किये जाने वाले कार्य :-

- पीने का पानी की व्यवस्था।
- बच्चों की देखभाल में मदद।
- वृक्षारोपण का कार्य।
- रेत या गिट्टी को तगारियों में भरना।

- परिवार के सदस्यों को भी कार्य दिया जाना चाहिए, जिससे परिवार के सदस्यों को इस बात का एहसास हो कि विकलांग व्यक्ति घर पर बोझ नहीं है, अपितु इनकी बदोलत परिवार में एक आय का जरिया भी बना है।

- ऐसे कार्यों को विकलांग व्यक्ति से करवाने के लिए उन्हें शांति से समझाना चाहिए, साथ ही कार्य के तरीके व उस क्षेत्र की दूरी को उनके कदमों के नाप से प्रशिक्षण देने कि आवश्यकता है।

संभावित व्यक्ति द्वारा किये जाने वाले कार्य :-

• पीने का पानी की व्यवस्था।	• बच्चों की देखभाल में मदद।
• वृक्षारोपण का कार्य।	• सिंचाई - नहर खुदाई का कार्य
• मिट्टी भरना।	• मिट्टी को बाहर फेंकना/ट्राली में डालना।
• भवन निर्माण - कांक्रीट मटेरियल बनाना।	• कांक्रीट, मटेरियल का स्थान परिवर्तन करना।
• सीमेन्ट व ईट उठाकर पहुँचाना।	• रेत या गिट्टी को तगारियों में भरना।
• पानी की तरी करना। (दिवार पर पानी डालना।)	• गल को कुएँ से बाहर खिंचाई कर निकलाने में मदद करना।
• मलबे को ट्राली में डालना।	• तालाबों के मलबे को खोदना।
• मलबे को तगारी में भरना।	• भरी हुई तगारी को ट्राली में डालना।
• ऐरेन या पत्थर लाना।	• ऐरेन या पत्थर को सही जगह पर जमाना।
• भूमि समतलीकरण का कार्य करना।	• मेढ़ बंधान करना।
• जल संरक्षण की भूमि में खन्ति/गठ्ठा करना।	• खन्ति/गठ्ठे की मिट्टी को अलग जमाना।
• सड़क निर्माण - कच्चे रास्ते को झाड़ू से साफ करना।	• पानी डालना, गिट्ठी डालना।

मंदबुद्धि व्यक्ति द्वारा किये जाने वाले कार्य :-

संभावित मंदबुद्धि वाले व्यक्ति द्वारा किये जाने वाले कार्य :-

• पीने का पानी की व्यवस्था।	• बच्चों की देखभाल में मदद।
• वृक्षारोपण का कार्य।	• सिंचाई - नहर खुदाई का कार्य
• मिट्टी भरना।	• मिट्टी को बाहर फेंकना/ट्राली में डालना।
• कांक्रीट, मटेरियल का स्थान परिवर्तन करना।	• सीमेन्ट व ईट उठाकर पहुँचाना।
• रेत या गिट्टी को तगारियों में भरना।	• मलबे को ट्राली में डालना।
• तालाबों के मलबे को खोदना।	• मलबे को तगारी में भरना।
• भरी हुई तगारी को ट्राली में डालना।	• ऐरेन या पत्थर लाना।
• ऐरेन या पत्थर को सही जगह पर जमाना।	• भूमि समतलीकरण का कार्य करना।
• मेढ़ बंधान करना।	• जल संरक्षण की भूमि में खन्ति/गठ्ठा करना।
• खन्ति/गठ्ठे की मिट्टी को अलग जमाना।	• सड़क निर्माण - कच्चे रास्ते को झाड़ू से साफ करना।
• पानी डालना, गिट्ठी डालना।	

नोट :- एक बार कार्य को निर्देशित करने की एवं एक बार करके बताने की जरूरत है। ये व्यक्ति कार्य को समझने के बाद कार्य को बेहतर व अच्छा कर सकते हैं।

● पीने का पानी की व्यवस्था।	● बच्चों की देखभाल में मदद।
● वृक्षारोपण का कार्य।	● मिट्टी भरना।
● मिट्टी को बाहर फेकना/ट्राली में डालना।	● रेत या गिट्टी को तगारियों में भरना।
● मलबे को ट्राली में डालना।	● कच्चे रास्ते को झाड़ू से साफ करना।
● पानी डालना, गिट्टी डालना।	

- सहयोग के रूप में दूसरों के साथ मिलकर अच्छा कार्य कर सकते हैं।
- सिर पर तगारी चढ़ा देने पर मलबे को फेकने का कार्य कर सकते हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में उपचारित व्यक्ति द्वारा किये जाते वाले कार्य
 ग्रामीण क्षेत्रों में उपचारित व्यक्ति द्वारा किये जाते वाले कार्य

ग्रामीण क्षेत्रों में उपचारित व्यक्ति द्वारा किये जाते वाले कार्य
 ग्रामीण क्षेत्रों में उपचारित व्यक्ति द्वारा किये जाते वाले कार्य

16/02/06 :- ग्राम पंचायत तलून मे चर्चा :-

ग्राम पंचायत तलून खूर्द व बजट्टा बुजुर्ग मे रोजगार गारंटी मे जॉब कार्ड के संबंध मे चर्चा करने पर सरपंच और पंचायत के पंच श्री जगदिश कुमावत ने बताया कि हमारी पंचायत मे सभी के परिवार के मुखिया के नाम से जॉब कार्ड बना है और जिस परिवार मे मुखिया विकलांग है उसी के नाम से जॉब कार्ड बना है। जिस परिवार मे 18 वर्ष या अधिक उम्र का विकलांग व्यक्ति होगा और वह कार्य मांगने के लिये आवेदन करता है तो हम उसे कार्य जरूर देगे। वह पानी पिलाने या बच्चों को रखने का कार्य भी कर सकता है।

साथ ही पंचायतों को बताया गया की इस योजना मे क्या-क्या कार्य हो सकते है। उन सभी कार्यों मे किस प्रकार का विकलांग व्यक्ति क्या-क्या कार्य कर सकता है। विकलांग व्यक्तियों द्वारा किये जाने वाले कार्यों की सूची भी पंचायतों में दी गई।

17-18/02/06 दो दिवसीय कार्यकर्ताओं की क्षमता विकास प्रशिक्षण में NREGA पर चर्चा :-

आशाग्राम ट्रस्ट में दिनांक 17-18/02/06 को कार्यकर्ताओं के लिये दो दिवसीय क्षमता विकास प्रशिक्षण आयोजित किया था। जिसमे रोजगार गारंटी योजना पर चर्चा की गई।

प्रशिक्षण में हुई चर्चा के बिन्दु :-

- ग्रामीण क्षेत्रों के प्रत्येक परिवार को जो अकुशल शारीरिक श्रम करने को तैयार है 100 दिन का रोजगार मिलेगा।
- पहले पंचायत में जॉब कार्ड बनवाने के लिये पंजीयन करवाना।
- पंजीयन मुखिया के नाम से होगा जिसमे सभी वयस्क सदस्यों के नाम होंगे।
- पंजीयन होने व कार्ड बनने के बाद काम का आवेदन पंचायत मे देना होगा।
- काम कम से कम 14 दिन के लिये मांगना होगा।
- एक दिन की न्यूनतम मजदूरी कम से कम 60 रु प्रतिदिन होगी।
- 15 दिन मे काम न दिये जाने पर भत्ता दिया जायेगा।
- 5 किलो मिटर से अधिक दूरी पर कार्य मिलने पर मजदूरी का 10% अतिरिक्त पारिश्रमिक का भुगतान दिया जायेगा।
- आवेदन, व्यक्तिगत या सामुहिक रूप से भी कर सकते है, जिसका रसिद लेना अनिवार्य है।